हिंदी विभाग / Department of Hindi

(PO): Programme Outcomes, (CO) Course Outcomes, Program Specific Outcomes (PSOs)

पाठ्यक्रम परिणाम : हिंदी विभाग

(Program outcomes : Department of Hindi)

PO: 1- राष्ट्रीय भाषा ,साहित्य एवं संस्कृति के प्रति चेतना निर्माण : भाषा,साहित्य एवं संस्कृति से विच्छिन्न विद्यार्थी शव के समान है | अतः विभाग द्वारा विभिन्न शिक्षण तकनीकों के माध्यम से इस चेतना का स्थायन किया जाता है |

PO: 2- संवेदनशील मनुष्य का निर्माण : विज्ञानं के अत्यधिक प्रभाव से मनुष्य में यांत्रिकता आती जा रही है जिसका निराकरण साहित्य ही कर सकता है | साहित्य की विभिन्न विधाओं के शिक्षण के माध्यम से विभाग इस हेतु भी सक्रिय रहता है |

PO:3- स्त्री संचेतना का विकास : स्त्री की अक्षम स्थिति एक तथ्य है एवं ज्ञान की विभिन्न प्रणालियाँ स्त्री सशक्तिकरण के प्रयास में लगी हैं | साहित्य में भी उसके सूत्र हैं जिनका शिक्षण विभाग संपन्न करता है |

PO:4- साहित्य एवं समाज का सम्बन्ध विकास : समाज की बहुत सी समस्याओं का समाधान साहित्य में उपलब्ध है तथा जिनका विश्लेषण विभाग विद्यार्थियों के सम्मुख रखता है एवं अनुसंधान हेतु प्रेरित करता है |

PO: 5- इतिहास एवं साहित्य का बोध : भारतीय इतिहास एवं साहित्य का इतिहास हमारी थाती है जिसके अध्ययन से भविष्य के सूत्र मिलते हैं | विभाग उनके सर्वांगीण विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थियों में एक समन्वित दृष्टि निर्माण का प्रयास करता है |

PO: 6- हासिये के समाज के प्रति दायित्व बोध : समाज में शोषित,दलित,आदिवासी समुदायों का अस्तित्त्व है जिनकी बेहतरी आवश्यक है | साहित्य में इसके संदेश है | विभाग उन संदेशों से भी विद्यार्थियों को परिचित कराता है |

PO: 7- पर्यावरण चेतना का सन्निवेश : पर्यावरण चिंता आज एक सत्य है | साहित्य में पर्यावरण संरक्षण के अप्रतिम सूत्र हैं | विभाग उनके शिक्षण द्वारा पर्यावरण चेतना का विद्यार्थियों में सन्निवेश करता है |

PO : 8- वैज्ञानिक चेतना का निर्माण : विभाग साहित्य शिक्षण के माध्यम से वैज्ञानिक चेतना के निर्माण पर बल देता है एवं रूढ़ीवाद,अन्धविश्वास आदि नकरात्मक मूल्यों का निराकरण करता है |

पाठ्यक्रम विशेष परिणाम : हिंदी विभाग

(Program specific outcomes : Department of Hindi)

PSO: 1- सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य की भूमिका का विश्लेषण

PSO: 2- हिंदी भाषा लेखन एवं सम्प्रेषण कौशल को विकसित करना

PSO: 3- जीवन के प्रति एक उन्नत सौन्दर्य दर्शन को विकसित करना

PSO: 4- भारतीय साहित्य शास्त्र का अनुशीलन एवं युगीन विकास करना

PSO: 5- भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य दृष्टि को समन्वित करना

PSO 6- मानवीय करुणा, दया जैसे उदात्त मूल्यों का स्थापन

PSO 7- आलोचनात्मक चेतना का निर्माण

PSO 8- सर्जनात्मक योग्यता का विकास

PSO 9- सामाजिक दायित्व के प्रति सजगता

PSO 10- राष्ट्र-निर्माण की चेतना का स्थापन

PSO 11- अन्तः अनुशासनात्मक शोष दृष्टि का उन्नयन

PSO 12- हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में दक्षता का स्थापन

PSO 13- हिंदी में अनुवाद क्षमता का विकास

PSO 14- अन्य भारतीय भाषाओँ एवं साहित्य के बोध का विकास

PSO 15- प्रवासी हिंदी साहित्य के प्रति चेतना की संवृद्धि

PSO 16- हासिये के समाज एवं साहित्य के प्रति संवेदनशीलता का विकास

PSO 15- लोक भाषा एवं साहित्य की संचेतना,समन्वयन एवं संवर्धन

विषय शिक्षण परिणाम : हिंदी विभाग

(Course outcomes : Department of Hindi)

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल,रीतिकाल,आधुनिक काल) (2 सेमेस्टर)

CO 1- हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन : परंपरा, दृष्टियाँ एवं पुनर्लेखन के प्रश्न का संज्ञान
CO 2- काल विभाजन एवं नामकरण, सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य, रासो काव्य, अमीर खुसरो का काव्य, विद्यापति की कविता से परिचय
CO 3- आदिकालीन हिंदी साहित्य एवं समाज की सामान्य प्रवृत्तियाँ से परिचय
CO 4- भक्ति आंदोलन: उदय और विकास का संज्ञान
CO 5- निर्गुण और सगुण भक्ति धारा से परिचय
CO 6- भक्तिकाल की कविता एवं समाज की सामान्य विशेषताओं से परिचय
CO 7- सूफी काव्य : उदय और विकास, सूफीमत के सामान्य सिद्धांत, जायसी की कविता, अन्य प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ तथा सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताओं का संज्ञान
CO 8- रीति काव्य : उदय और विकास, सामाजिक-राजनैतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख रीति कवि, रीतिमुक्त काव्यधारा एवं रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताओं का संज्ञान

हिन्दी कविता
(आदि, भक्ति,रीति, आधुनिक) (4 सेमेस्टर)

CO 1- पृथ्वीराज रासो : चंदबरदाई, कबीर काव्य, जायसी की कविता, सूरदास की कविता का संज्ञान एवं बोध
CO 2- रामचरित मानस : तुलसीदास के माध्यम से जातीय कविता के अर्थ का संज्ञान
CO 3- मीराबाई की पदावली का अर्थायन एवं स्त्री चेतना का संज्ञान
CO 4- रीति काल : एतिहासिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का संज्ञान एवं केशवदास, बिहारी, घाननंद का सौन्दर्य दर्शन
CO 5- आधुनिक हिन्दी कविता : वैचारिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, राष्ट्रीय चेतना एवं काव्यभाषा का संज्ञान
CO 6- मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता सर्ग), निराला : राम की शक्तिपूजा, सुमित्रानंदन पंत : भारत माता ग्रामवासिनी एवं महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुःख की बदली, कौन तुम मेरे ह्रदय में, पंथ होने दो अपरिचित,सब बुझे दीपक जला लूँ आदि कवियों एवं कविता का समाज दर्शन
CO 7- छायावादोत्तर सांस्कृतिक परिदृश्य, स्वातंत्र्योत्तर विविध काव्य आन्दोलन का संज्ञान
CO 8- कविताओं- कुरुक्षेत्र (पहला सर्ग) : दिनकर, असाध्य वीणा (आँगन के पार द्वार) -: अज्ञेय, अंधेरे में (चाँद का मुँह टेढ़ा है) -: मुक्तिबोध, एक पीली शाम, काल तुझसे होड़ है मेरी, सागर तट, और उषा : शमशेर बहादुर सिंह मोचीराम (संसद से सड़क तक) : धूमिल, बनारस, दुपहरिया : केदारनाथ सिंह- का समाज एवं संस्कृति सापेक्ष अर्थायन

<u>परियोजना एवं मौखिक (4 सेमेस्टर)</u>

CO 1- किसी एक विषय/ साहित्यकार/ काल-खंड/प्रवृत्ति/पुस्तक समीक्षा/ पर परियोजना कार्य द्वारा विषय बोध
CO 2- लघु शोध प्रबंध लेखन का संज्ञान
CO 3- परिकल्पना क्षमता में संवृद्धि
CO 4- मौखिक अभिव्यक्ति क्षमता का विकास

हिन्दी आलोचना (1 सेमेस्टर)

CO 1- आलोचना : अर्थ एवं अवधारणा, आलोचना की विविध दृष्टियों का संज्ञान
CO 2- हिंदी आलोचना : उद्भव एवं विकास का परिचय एवं विश्लेषण
CO 3- भारतेंदु युगीन आलोचना ; भारतेंदु, बालकृष्ण भट्ट, प्रेमघन आदि का मूल्यांकन
CO 4- आधुनिक आलोचना- आचार्य रामचंद्र शुक्ल,आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय,एवं निर्मल वर्मा के आलोचना-कर्म का सम्यक् परिशीलन एवं दृष्टि निर्माण

कथा एवं कथेतर साहित्य (3 सेमेस्टर)

CO 1- हिंदी उपन्यास : उद्भव एवं विकास का संज्ञान
CO 2- मैला आँचल : रेणु, बाणभट्ट की आत्मकथा : आ.हजारी प्रसाद द्विवेदी, अंतिम अरण्य : निर्मल वर्मा उपन्यासों का अध्ययन एवं अनुशीलन
CO 3- कहानी : उद्भव एवं विकास का संज्ञान
CO 4- उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी, कफन : प्रेमचंद, रोज़ : अज्ञेय, परिन्दे : निर्मल वर्मा कहानियों का अध्ययन एवं अनुशीलन
CO 5- अकल्पनाप्रधान गद्य : स्वरुप एवं विविधताओं का संज्ञान

CO 6- मुक्तिबोध : एक साहित्यिक की डायरी, निर्मल वर्मा : सुलगती टहनी, चीड़ों पर चांदनी , अमृत राय : कलम का सिपाही, सुभद्रा : महादेवी वर्मा का अध्ययन एवं अनुशीलन
CO 7- हिंदी निबंध का समग्र अधययन एवं परिशीलन
CO 8- हिंदी नाटक एवं सांस्कृतिक जागरण का सम्बन्ध निरूपण

<u>भारतीय चिंतक एवं हिंदी साहित्य (1 सेमेस्टर)</u>

CO 1- चिंतकों/विचारकों के विविध आयामी चिंतन का अध्ययन तथा हिंदी साहित्य पर उनके प्रभावों का मूल्यांकन
CO 2- स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गाँधी, डॉ. बी.आर.अंबेडकर, डॉ.राममनोहर लोहिया, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन का विस्तृत अध्ययन एवं साहित्य पर उसके प्रभाव का परिशीलन

भाषा विज्ञान (1 सेमेस्टर)

CO 1- भाषा : अर्थ, तत्त्व, प्रकार, प्रकृति और विशेषताओं का संज्ञान
CO 2- भाषा परिवर्तन : कारण एवं दिशाएं, भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख अध्ययन-पद्धतियाँ , स्वन विज्ञान, स्वनिम विज्ञान, रूपिम विज्ञान का अध्ययन एवं विश्लेषण
CO 3- वाक्य विज्ञान का मूल्यांकन
CO 4- अर्थ विज्ञान एवं समाजभाषा विज्ञान, शैलीविज्ञान और कोशविज्ञान का सामान्य परिचय
PSO1 CO 5- हिंदी भाषा का विकास एवं प्रमुख बोलियों का परिचय, संपर्क भाषा एवं राजभाषा के रूप में हिंदी का अनुशीलन
CO 6- देवनागरी लिपि का संज्ञान

हासिये का साहित्य
(दलित,नारीवादी एवं प्रवासी साहित्य)-3 सेमेस्टर

CO 1- अंबेडकर और उत्तर-अंबेडकर चिंतन, दलित आन्दोलन और दलित साहित्य,प्रवासी चिंतन एवं साहित्य,नारीवादी चिंतन एवं साहित्य का अध्ययन एवं विश्लेषण

CO 2- मुरदहिया - तुलसीराम, जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि, अछूत की शिकायत - हीरा डोम, सदियों का संताप, उन्हें डर है - ओमप्रकाश वाल्मीकि, रचनाओ का अध्ययन एवं अनुशीलन

CO 3- प्रवासी साहित्य का वैश्विक स्वरूप: अमेरिका का प्रवासी हिंदी साहित्य, यूरोप का प्रवासी हिंदी साहित्य, खाड़ी देशों का प्रवासी हिंदी साहित्य का संज्ञान

CO 4- शृंखला की कड़ियाँ (महादेवी वर्मा), अन्या से अनन्या (प्रभा खेतान), अपना कमरा (वर्जीनिया वुल्फ़), नारीवादी रचनाओं का पाठ एवं दृष्टि निर्माण

साहित्य सिद्धांत
(भारतीय एवं पश्चिमी) (2 सेमेस्टर)

CO 1- संस्कृत काव्यशास्त्र : उद्भव एवं विकास , वैदिक एवं लौकिक परंपरा , प्रमुख आचार्य : भरत , भामह, दंडी, वामन, रुद्रट, आनंदवर्धन, अभिनव गुप्त, कुंतक, भोजराज, मम्मट, विश्वनाथ, पंडितराज जगन्नाथ, आचार्य रामचंद्र शुक्ल आदि का परिचय

CO 2- रस सिद्धांत ,अलंकार सिद्धांत ,रीति सिद्धांत ,वक्रोक्ति सिद्धांत ,ध्वनि सिद्धांत औचित्य सिद्धांत ,शब्द-शक्तियां, काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन का संज्ञान

CO 3- प्लेटो, लोजाइनस, क्रोचे आदि पश्चिमी सिद्धांतों का संज्ञान

CO 4- टी. एस. इलियट,आई ए0 रिचर्ड्स सदृश आधुनिक पश्चिमी साहित्य चिंतकों से परिचय

CO 5- आधुनिक पाश्चिमी सिद्धांतों- नई समीक्षा ; शास्त्रीयतावाद (क्लासिसिज्म), स्वच्छंदतावाद (रोमांटिसिज्म), यथार्थवाद, साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्यिक शैली विज्ञान, संरचनावाद, विखंडनवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद का अध्ययन एवं अनुशीलन

विविध अध्ययन
(लोक साहित्य,उर्दू साहित्य,भारतीय साहित्य, हिंदी अनुवाद- 1 सेमेस्टर)

CO 1- लोकसाहित्य-अध्ययन की प्रणालियाँ, लोक संस्कृति, लोक गीत, लोक नाट्य एवं लोक गाथा , लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य : पारस्परिक सम्बन्ध, हिंदी का जातीय लोक साहित्य : भोजपुरी, ब्रज, बुंदेली एवं मैथिली का सामान्य परिचय ; प्रसिद्ध लोक गाथाएं- ढोला-मारू, गोपीचंद-भरथरी, नल-दमयंती आदि, विशेष अध्ययन-अवधी लोक साहित्य,परंपरा,वैशिष्ट्य एवं मुख्य रचनाकार, अवधी आन्दोलन,पत्र पत्रिकाएं का संज्ञान एवं समन्वयन

CO 2- अनुवाद : अर्थ , स्वरूप एवं प्रकृति ; अनुवाद-पक्रिया, अनुवाद के सिद्धान्त ; अनुवाद : भाषा वैज्ञानिक और व्यावहारिक संदर्भ ; अनुवाद के प्रकार ; अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष और समस्याएँ : कोश का प्रयोग , पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग , साहित्यिक अनुवाद , वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद , विधि साहित्य का अनुवाद ,

कार्यालयी सामगी का अनुवाद ,समाचारों का अनुवाद , बैंकिंग शब्दावली का अनुवाद , अनुवाद की सीमाएं :भाषिक संरचना और शैली , सांस्कृतिक शब्दावली, लोकोक्तियां एवं मुहावरे , लाक्षणिक प्रयोग, साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद का परिचय

CO 3- अनुवाद व्यवहार - अंग्रेजी से हिन्दी (एक अनुच्छेद)(सामाजिक सांस्कृतिक , शैक्षिक विषयों से सम्बद्ध अनुच्छेद अथवा पत्र-पत्रिकाओं की सामग्री से सम्बद्ध अनुच्छेद, वाक्यांश और शब्दावली का अनुवाद का प्रशिक्षण

CO 4- -भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारतीय साहित्य के मूल आधार , उपन्यास -संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति

नाटक - घासीराम कोतवाल : विजय तेंडुलकर , आत्मकथा - अक्करमासी : शरण कुमार लिम्बाले , कविता -निर्झरेर स्वप्न भंग : रविन्द्र नाथ टैगोर , सबसे खतरनाक : पाश , सुब्हे आजादी : फैज़ अहमद फैज़ से परिचय, अनुशीलन एवं समन्वयन

शोध प्रविधि (1 सेमेस्टर)

CO 1- शोध का स्वरूप: अर्थ, तत्व ; रचना, आलोचना एवं शोध ; साहित्यक एवं साहित्येत्तर शोध का संज्ञान

CO 2- .शोध की दृष्टियाँ- आलोचनात्मक,विश्लेषणात्मक,तुलनात्मक,सर्वेक्षणात्मक, मूल्यांकनपरक,ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक आदि से परिचय

CO 3-. शोध प्रक्रिया : जिज्ञासा एवं विषय चयन, परिकल्पना, शोध सैद्धांतिकी, अभिकल्पन (disign) एवं अध्यायीकरण का संज्ञान

CO 4-. शोध लेखन : सामग्री चयन एवं विभाजन, विश्लेषण की शैलियाँ, सन्दर्भ सूची, रचनात्मक शोध भाषा, शोध की मौलिकता एवं नैतिकता, कम्प्यूटर प्रविधि : कम्प्यूटर का परिचय,नेट संयोजन,पी.पी.टी. आदि का संज्ञान

हिंदी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (2 सेमेस्टर)

CO 1- हिन्दी पत्रकारिता के स्वर्णिम इतिहास का रेखांकन ।

CO 2- हिंदी पत्रकारिता के आवश्यक सिद्धांतों, अवधारणाओं, चुनौतियों, अधिकारों, जिम्मेदारियों, सीमाओं, कानून और आचार संहिता का संज्ञान

CO 3- हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में दक्षतापूर्वक काम करने की क्षमता हेतु प्रशिक्षुओं को सशक्त बनाना।

हिंदी भाषा एवं सम्प्रेषण तथा सर्जनात्मक लेखन (2 सेमेस्टर)

{कौशल विकास पाठ्यक्रम (Skill Development Courses)}

CO 1- हिन्दी भाषा के विविध रूप- लिखित, मौखिक, आंगिक ; भाषा का व्यावहारिक पक्ष- वक्ता,श्रोता,कथन, उद्देश्य,स्थिति,समय ; कार्यालयी पत्राचार के संज्ञान द्वारा अन्य विषयों के छात्रों को हिंदी भाषा में प्रवीण बनाना

CO 2- भाषा सम्प्रेषण : अर्थ, सिद्धांत, विविध रूप, प्रयोजन ; सम्प्रेषण प्रक्रिया - श्रोत, माध्यम,संदेश, प्रतिक्रिया ; प्रभावी सम्प्रेषण के तत्व- उच्चरित और लिखित भाषा ; प्रभावी सम्प्रेषण के अवरोध एवं समस्याएं आदि के शिक्षण द्वारा सम्प्रेषण दक्षता

CO 3- सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरुप, संरचना एवं शैली, सृजनात्मक लेखन के मूल सिद्धांत ; सृजनात्मक एवं अन्य लेखन तथा साहित्य लेखन- अर्थ, स्वरुप; विविध विधाओं (कविता,कहानी,उपन्यास आदि) का स्वरुप एवं लेखन प्रविधियां आदि के माध्यम से सर्जनात्मक लेखन की प्रवृत्ति विकसित करना